प्रति,
संपादक श्री

दिनांक :24/12/2024

प्रणाम । आपश्री की पत्रिका / मेगेझीन के माध्यम से हो रहे श्रुतरक्षा, तीर्थरक्षा, शासनरक्षा के कार्यो की अनुमोदना सह अभिनंदन ।

विशेष, आपको विदित हो कि बाल, युवा एवं वृद्ध सभी उम्र के व्यक्तिओं में आज भी जिनके पुस्तकों का आकर्षण बरकरार हैं, ऐसे आचार्य श्री भद्रगुप्तसूरिजी महाराज जिन्हे लोकमानस ' प्रियदर्शन ' के नाम से जानते हैं उनकी लोकप्रिय समरादित्य महाकथा भाग 1 से 3 तथा अन्य 7 कथा पुस्तकों को हमारी संस्था के उपक्रम से अंग्रेजी भाषा में प्रकाशित किया गया हैं ये पुस्तके नई पीढी के युवाओं को जीवन राह दिखाने के लिए सक्षम हैं ।

हम आपको इन 10 पुस्तकों का 1 सेट भेट स्वरुप भेज रहे हैं । कृपया इसका अवलोकन करें । तथा आपके मेगेझीन / पत्रिका में इसका परिचय-विवरण-जानकारी प्रकाशित करें एसी विनंती हैं ।

आपके सुझाव आवकार्य हैं ।

<u>मेगेझिन नाम</u>

1) प्रबुद्ध जीवन - मुंबई
2) कल्याण - सुरेन्द्रनगर
3) शाश्वतधर्म - मंदसौर (म.प्र.)
4) शांति सौरभ - भाभर
5) आगमोद्वारक - उज्जैन
6) लुक एन लर्न - घाटकोपर (वे.)मूंबई
7) प्रेम सुबोध - शंखेश्वर
8) श्रुत सागर - कोबा, गांधीनगर
9) नवनीत समर्पण - मुंबई
10) श्रमण - वाराणसी

आचार्य श्री सुरेन्द्रसूरिश्वरजी जैन तत्वज्ञानशाळा
परेशभाई परमार
(मेनेजर)
9512234311